माँ वीणा पानी हो

माँ वीणा पानी हो, विद्या वरदानी हो, मेहरो वाली हो,
ओ माँ ओ माँ ओ माँ ओ माँ ,
अपने भक्तो कीअपने बच्चो की तुम रखवाली हो,
मेरी माँ ओ माँ.....

नाम है जितने माता तुम्हारे,
एक रूप के हे जगदम्बे रूप अनेको सारे,
शारदे माँ हो तुम, लक्ष्मी माँ हो तुम कहीं पे काली हो,
ओ माँ.....

धन दौलत मैं माँ नहीं चाहूँ,
सात सुरों का हंसवाहिनी वर मैं तुझसे चाहूँ,
मेरे इस जीवन की ये तन माँ और धन की
तू ही माली है,
ओ माँ.....

अँखियो की माँ प्यास बुझा दो,
देके दर्शन हे जग जननी ज्ञान की ज्योत जगा दो,
माँ तू शीतल है माँ तू निर्मल है,
तू ममता वाली है,
ओ माँ.....

स्वर : लखबीर सिंह लक्खा

https://visualasterisk.com/bhajan/lyrics/id/5056/title/maa-veena-pani-ho-vidya-vardani-ho-mehro-vali-ho

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |